


---

# Vighnanivarakam Siddhivinayakastotram

——  
विघ्ननिवारकं सिद्धिविनायकस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : VighnanivarakaM Siddhivinayakastotram

File name : vighnanivArakaMsiddhivinAyakastotram.itx

Category : ganesha, stotra, aShTaka

Location : doc\_ganesha

Author : Traditional

Transliterated by : Karthik Chandan.P, Amith K Nagaraj

Proofread by : Karthik Chandan.P : Amith K Nagaraj

Latest update : March 9, 2004

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 11, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



---

# Vighnanivarakam Siddhivinayakastotram

---

## विघ्ननिवारकं सिद्धिविनायकस्तोत्रम्

---



श्री गणेशाय नमः ॥

विघ्नेश विघ्नयथभाण्डननामधेय श्रीशङ्करात्मज सुराधिपवन्धपाद ।  
दुर्गामडाप्रतङ्गलाभिलमङ्गलात्मन् विघ्नं ममापडर सिद्धिविनायक त्वम् ॥ १ ॥

सात्यमरागमणिवर्णशरीरकान्तिः श्रीसिद्धिबुद्धिपरिचर्यितकुङ्कुमश्रीः ।  
दक्षस्तने वलयितातिमनोऽज्ञशुण्डो विघ्नं ममापडर सिद्धिविनायक त्वम् ॥ २ ॥

पाशाङ्कुशाब्जपरशूश्च दधय्यतुर्भिर्दोर्भिश्च शोणकुसुमस्रगुमाङ्गजातः ।  
सिन्धूरशोभितलवाटविधुप्रकाशो विघ्नं ममापडर सिद्धिविनायक त्वम् ॥ ३ ॥

कार्येषु विघ्नयथभीतविरञ्चिमुष्यैः सम्पूजितः सुरवरैरपि मोदकाधैः ।  
सर्वेषु य प्रथममेव सुरेषु पूज्यो विघ्नं ममापडर सिद्धिविनायक त्वम् ॥ ४ ॥

शीघ्राञ्चनस्मलनतुङ्गारवोर्ध्वकण्ठस्थूलोन्दुरुद्रवाण्डासितदेवसङ्घः ।  
शूर्पश्रुतिश्च पृथुवर्तुलतुङ्गतुन्दो विघ्नं ममापडर सिद्धिविनायक त्वम् ॥ ५ ॥

यज्ञोपवीतपदलंबितनागराजो मासादिपुण्यदृष्टीकृतऋक्षराजः ।  
भक्तलाभयप्रद दयालय विघ्नराज विघ्नं ममापडर सिद्धिविनायक त्वम् ॥ ६ ॥

सद्गन्तसारततिराजितसक्तिरीटः कौसुमभयारुवसनद्भय ङिर्जितश्रीः ।  
सर्वत्रमङ्गलकरस्मरणप्रतापो विघ्नं ममापडर सिद्धिविनायक त्वम् ॥ ७ ॥

देवान्तकाद्यसुरभीतसुरार्तिहर्ता विज्ञानभोधेनवरेण तमोपहर्ता ।  
आनन्दितत्रिभुवनेशु कुमारबन्धो विघ्नं ममापडर सिद्धिविनायक त्वम् ॥ ८ ॥

एतं मौद्गलोक्तं विघ्ननिवारकं सिद्धिविनायकस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥


Encoded and proofread by

Karthik Chandan.P

and Amith K Nagaraj

——  
*Vighnanivarakam Siddhivinayakastotram*

pdf was typeset on May 11, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

